

डाली बाई की आरती लिरिक्स



डाली बाई की आरती,

जय डाली बाई,
म्हारी जय डाली बाई,
पल पल पर्चा देवों,
सांची सकलाई,
जय जय डाली बाई।bd।

डाली ऊपर जन्मीया,
रूदन कियो भारी,
सायर संत नें देकर,
नाम धर्यो डाली,
जय जय डाली बाई।bd।

बाल पने में धर्म निभायो,
रामा धनी ताई,
जम्मा जागरण करते,
घर घर में जाके,
जय जय डाली बाई।bd।

जीवित समाधि करु प्रस्ताना,
आप सुण्यो जाई,
पहले समाधि लेकर,
ऊंचो पद पाई,
जय जय डाली बाई।bd।

जो कोई आवे धोक लगावे,
मन ईच्छा पावे,
राजा रंक पुजारी,
ज्योत करें थारी,
जय जय डाली बाई।bd।



बिंदिया चूड़ी कंगन,
चुनड जो लावे,
मन की इच्छा बाई,
पूर्ण करें सारी,
जय जय डाली बाई। **bd।**

आरती डाली बाई की,
जो कोई जन गावे,
हरजी भाटी ध्यावे,
सोनी जस गावे,
जय जय डाली बाई। **bd।**

गायक – गोपाल सोनी रतनगढ़।
9982095020
